हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त, 2025

11 जैवेलियन थ्रो में अमन और ऊंची कूद में रुद्रांश प्रथम

12 जगह-जगह गड्ढों और टूटी सड़कों से हो रही परेशानी

स्कूल के पास अवैध गोदाम में रखे प्लास्टिक कबाड़ में फिर लगी आग

आसमान में धुएं के गुबार से बिगड़ी पर्यावरण की सेहत, गोदाम मालिक को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शनिवार तड़के शहर के झज्जर रोड पर त्रिवेणी स्कूल के निकट अवैध रूप से चल रहे एक पीवीसी गोदाम में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ।

श्री बालाजी ट्रेडर्स नाम से चल रहे इस गोदाम में अचानक लगी आग इतनी भयावह थी कि काले धुएं का गुबार आसमान तक छा गया, जिसे दूर-दूर से देखा जा सकता था। आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गोदाम में रखा लाखों रुपये का प्लास्टिक और रबर का कबाड़ कुछ ही देर में जलकर राख हो गया। आग की लपटें पास स्थित दो कार व र्क शॉ प् स — ए स ए ल डी ऑटोमोबाइल कार सेल एंड परचेज सेंटर और श्री श्याम मोटर्स—तक फैलने का खतरा बन गईं। स्थिति को देखते हुए वहां खड़ी गाड़ियों को तुरंत बाहर निकाला गया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। फायर ब्रिगेड ऑफिसर रविंद्र कुमार ने बताया कि प्लास्टिक और रबर अत्यंत ज्वलनशील सामग्री है, इस कारण आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। इस घटना ने प्रशासनिक लापरवाही पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला उपायुक्त ने पहले ही शहर से सभी अवैध पीवीसी गोदामों को हटाने के आदेश जारी किए थे। इसके बावजूद शहर में कई स्थानों पर ऐसे गोदाम खुलेआम संचालित हो रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अब इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदूषण विभाग ने झज्जर रोड पर स्थित अवैध पीवीसी गोदाम के मालिक को नोटिस दे दिया है और कार्यवाही शुरू कर दी है।

बहादुरगढ़। आग बुझाने में जुटी दमकल विभाग की टीम।

बहादुरगढ़। गोदाम में आग लगने के बाद उठता धुआं।

तीन महीने में 70 से अधिक अवैध पीवीसी गोदाम और फैक्ट्री सील

पिछले तीन महीनों में 70 से अधिक अवैध पीवीसी गोदाम व फैक्ट्री सील करते हुए कार्यवाही की गई है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि भविष्य में अपने दायित्व के प्रति लापरवाह और प्रशासन के आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर भी कार्यवाही की जाएगी।

डीसी ने दिए गोदामों पर कार्रवाई के निर्देश

बहादुरगढ़। शहर के झज्जर रोड पर अवैध पीवीसी गोदाम में आग की घटना का जिला प्रशासन ने कड़ा संज्ञान लिया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने एसडीएम, डीएमसी झज्जर और प्रदूषण नियंत्रण विभाग को तत्काल कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। डीसी ने पाटिल ने कहा कि सभी अवैध पीवीसी गोदामों को सील करने के लिए विशेष अभियान चलाएं। आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही की जाए। प्रशासन द्वारा बहादुरगढ़ में प्लास्टिक के अवैध भंडारण और परिवहन पर पाबंदी लगाई हुई है। अवैध गोदामों को किसी भी सरूत में सहन नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी गोदामों की पहचान की जाए और उनकी तुरंत एक्शन लिया जाए, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी
अस्थल बोहर, रोहतक-124021 (हरियाणा)
Established under Haryana Private Universities Act, 2006
Recognized by the UGC under 2(f) and Member, Association of Indian Universities (AIU)
9053066601 | www.bmu.ac.in
महंत बालकनाथ योगी
Chancellor, BMU
Zero Admission Fee* BMU SCHOLARSHIP PROGRAMS
Free Laptop*
Eligibility Criteria
Marks 85% Above | Scholarship Upto 50%
Scholarship: Sibling, Single Girl Child, Physical Handicapped
Discount Upto 25% OFF
Admissions Open 2025-26
Programmes Offered by the University for Session 2025-26

	Fee Per Sem.
FACULTY OF AYURVEDA	
BAMS	2,25,000/-
FACULTY OF NURSING	
ANM/GNM	--------
B.Sc. Nursing	1,05,000/-
Post Basic B.Sc. Nursing	50,000/-
FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCES	
D.Pharmacy	37,500/-
B.Pharmacy	45,000/-
M.Pharmacy	50,000/-
FACULTY OF PHYSIOTHERAPY	
BPT/ MPT	45,000/-
B.Sc. MLT	31,000/-
Bachelor of Optometry	31,000/-
FACULTY OF SCIENCES	
B.Sc. (Physical Sciences) (Physics, Chemistry, Mathematics)	11,000/-
M.Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics)	21,000/-
B.Sc. (Life Sciences) (Botany, Zoology, Chemistry)	11,000/-
M.Sc. (Botany, Zoology)	21,000/-
B.Sc. (Bio-Technology)	11,000/-
M.Sc. (Bio-Technology)	21,000/-
B.Sc. (Hons.) Agriculture	31,000/-

	Fee Per Sem.
FACULTY OF LEGAL STUDIES	
B.A.L.L.B LL.B LL.M	27,500/-
FACULTY OF MANAGEMENT AND COMMERCE	
BBA	15,000/-
BCA	17,500/-
MBA MCA	26,000/-
B.Com. M.Com.	11,000/-
FACULTY OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY	
B.Tech. (CSE, ME, CE)	30,000/-
M.Tech. (CSE, CE)	30,000/-
FACULTY OF HUMANITIES AND LIBERAL EDUCATION	
B.A.	11,000/-
B.A. (Hons.) English	
B.A. Journ. & Mass Comm.	
B.Lib. & Info. Sci	
M.Lib. & Info. Sciences	
M.A. (English, Hindi, Journalism & Mass Comm., History, Economics, Sociology, Geography, Political Science)	
M.A. Sanskrit Shastri (UG)	2,500/-

Ph.D. (All Streams) As Per UGC Norms.
B.Ed. ₹ 22,000/- (Fee Per Sem.)
*Affiliated with MDU,Rohtak
New Programmes
VLDD (Diploma in Veterinary) | B.Sc. Nursing | B.Sc. (Hon.) (Agriculture)
Application Fee - 1000 || Admission Fee UG-7500, PG-12500 || Exam Fee- UG-2500, PG-3000 || Hostel Fee 70000 Per Year
*Terms & Conditions Apply

JJ INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
(जीवन ज्योति हॉस्पिटल)
SUPER SPECIALITY HOSPITAL, BAHADURGARH
NABH ACCREDITED H-2021-0773
स्वास्थ्य सेवा में गौरवपूर्ण 22 साल
Celebrating 22 GLORIOUS YEARS OF SUCCESS
24th AUGUST 2003 - 2025
रक्तदान महादान
22 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर
रक्तदान शिविर का आयोजन
दिनांक: सोमवार 25 अगस्त 2025
स्थान: जे जे ब्लड सेंटर (जीवन ज्योति हॉस्पिटल)
SECONDARY CARE SERVICES
Obs & Gynae | Paediatric & New Born Care | Orthopaedics | Medicine | Surgery | Ophthamology | Physiotherapy | ENT
SUPER SPECIALITY SERVICES
IVF & Test Tube baby | Joint Replacement, Arthroscopy & Spine | New Born Intensive care | Neurology & Neurosurgery | Urology, Andrology & Stone Clinic | Gastroenterology | Dialysis | ICU & Critical Care
24 HOURS EMERGENCY | 6 VARIETY OF ROOMS | MULTI SLICE CT SCAN & ULTRASOUND | FULLY AUTOMATED LAB | ICU, NICU & PAEDIATRIC ICU | BLOOD CENTER
ROOTS IVF & FERTILITY
CARDIOLOGY DEPARTMENT
Metro Pillar No. 792, Bahadurgarh (HR) -124507
Ph. No. : 7056100100, 7056682006, 7056682015
cm@jjmedicalinstitute.com jjmedicalinstitute.com
ON OUR PANEL: ECHS, ESIC, DTC, AAYUSHMAAN BHARAT, HARYANA GOVERNMENT, DELHI GOVERNMENT (DGHS), DMRC, INDIAN OIL, HPCL & ALL INSURANCE CO.

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। प्रिंसिपल सुरेंद्र छिल्लर के साथ अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

माउंट व्यू स्कूल में हुई पीटीएम

बहादुरगढ़। माउंट व्यू स्कूल में शनिवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र छिल्लर ने बताया कि पीटीएम में असंख्य अभिभावकों ने भाग लिया। अभिभावकों ने अपने बच्चों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने में गहरी रुचि दिखाई। साथ ही अध्यापकों से मिलकर बच्चों की पढ़ाई को लेकर भावी रणनीति पर विचार विमर्श किया। स्कूल डायरेक्टर देवेंद्र लाठर ने कहा कि अध्यापक, अभिभावक व विद्यार्थी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के तीन मुख्य पक्ष हैं। उन्होंने सभी अभिभावकों का विद्यालय परिसर में अभिनंदन किया।

इस्कॉन में 31 अगस्त को राधा अष्टमी कार्यक्रम

बहादुरगढ़। शहर में राधा अष्टमी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस उपलक्ष्य में लाइनपार स्थित इस्कॉन मंदिर में आगामी 31 अगस्त को भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए विक्रम माहेश्वरी ने बताया कि संस्थान के संस्थापक आचार्य एसी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के आशीर्वाद से राधा अष्टमी श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। रविवार 31 अगस्त को सुबह साढ़े दस बजे कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। महा अभिषेक, ऊर्जावान संकीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विशेष प्रवचन और महाप्रसाद वितरण किया जाएगा।

फ्री में दिखाई उदयपुर फाइल्स

बहादुरगढ़। हिंदूवादी संगठनों द्वारा शुक्रवार को शहर के केआरबी सिनेमा हॉल में उदयपुर फाइल्स फिल्म निःशुल्क दिखाई गई। यह फिल्म उदयपुर में हुए दर्जी कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी है। भाजपा नेता दिनेश कौशिक, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, चेयरमैन प्रतिनिधि रमेश राठी, दीपांशु कौशिक, एडवोकेट विक्रम छिल्लर, जसबीर सैनी, ऋषि भारद्वाज, मुकेश कौशिक, बबीता दहिया व डॉ. ओमबीर राठी आदि फिल्म देखने पहुंचे।

बच्चों को नंबरों की पहचान करवाई

बहादुरगढ़। श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को विभिन्न गतिविधियां हुई। बाल वाटिका के विद्यार्थियों को नंबर की पहचान करवाई गई। वहीं चौथी और पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों के बीच अंग्रेजी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के बीच विज्ञान पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्कूल संचालक अभिषेक छिल्लर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को बढ़-चढ़कर प्रतियोगिता में भाग लेना है और अच्छा प्रदर्शन करना है ताकि आपके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को निखारा जा सके।

सीबीएसई कलस्टर 15 एथलेटिक्स चैंपियनशिप आयोजित

जेवलिन थ्रो में अमन तथा ऊंची कूद में रूद्रांश ने जीता गोल्ड

■ प्रतियोगिता में प्रदेश के बारह जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सीबीएसई कलस्टर 15 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीते हैं। विद्यालय के एथलेटिक्स कोच रवीन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के बारह जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। उनके संस्थान के खिलाड़ी अमन जाखड़ ने जेवलिन थ्रो में तथा रूद्रांश ने ऊंची कूद में पहला स्थान हासिल किया। अमन ने जहां अंडर-17 आयु वर्ग में यह पदक जीता वहीं रूद्रांश ने अंडर-14 आयु वर्ग में सबसे ऊंची छलांग लगाकर गोल्ड मेडल हासिल किया। इनके अलावा हिमांशु ने अंडर-17 आयुवर्ग की 400 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव हेमंत गुलिया, विशाल नेहरा व प्राचार्य सतबीर सिंह ने स्टॉफ सदस्यों को बधाई देते हुए विजेता खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। विजय चिन्ह बनाते हुए विजेता खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए संस्था निदेशक नवींद्र कुमार।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले के दो मुक्केबाज विजयी

झज्जर। होनहार खिलाड़ी दीक्षांत और मीत।

झज्जर। जिले के दो मुक्केबाजों ने राष्ट्रीय स्तर की सब जूनियर मुक्केबाजी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदक जीत कर जिले का गौरव बढ़ाया है। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि खिलाड़ी दीक्षांत राजन ने 37 किलोग्राम भार वर्ग और मीत ने 70 से अधिक किलोग्राम भार वर्ग में पदक जीता। इस उपलब्धि पर जिला मुक्केबाजी संघ के प्रधान सोमवीर अहलावत, सूरजभान जाखड़ और ओलंपियन अखिल कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

झज्जर। दा हाइट्स संस्था द्वारा शनिवार को जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। निदेशक नवींद्र कुमार व जितेंद्र कुमार ने बताया कि हरियाणा बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड की जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टॉप 8 में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया है। सीबीएसई टीम में रिया, यत्नेश और यामिनी ने छठा स्थान हासिल किया जबकि हरियाणा बोर्ड की टीम में विदित, वंशिका और हिमांशी ने टाई ब्रेकर खेलते हुए छठा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर डीईओ ने भी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया था। कार्यक्रम में निदेशक नवींद्र कुमार व जितेंद्र कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर उनका सम्मान किया।

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी।

भाजपा शहरी मंडल बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर हुआ मंथन

झज्जर। शनिवार को भाजपा शहरी मंडल की बैठक स्थानीय कार्यालय कमलम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष संदीप चौहान ने की, जबकि जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। बैठक में संगठन की मजबूती और भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मंथन किया गया। जिलाध्यक्ष विकास वाल्मिकी ने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की असली ताकत है। हमें बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर जन-जन तक केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना होगा। वहीं मंडल अध्यक्ष संदीप चौहान ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं। समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच बनाकर हमें आने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाना है। जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सेवा, संगठन एवं समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दिलाया। इस दौरान नगर परिषद चेयरमैन जिले सैनी, अत्तर सिंह यादव, केशव सिंगल, दिनेश गोयल, अनिल मातनहेल, गीतांशु चावला सहित अन्य भी मौजूद रहे।

बेरी। स्वीटी मलिक को सम्मनित करते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

केंद्रीय मंत्री ने किया साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक को सम्मानित

बेरी। क्षेत्र के गांव डीघल की बेटी साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर करनाल स्थित डॉक्टर मंगल सेन ऑडिटोरियम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सम्मानित किया। बता दें कि स्वीटी मलिक पिछले लगभग आठ साल से ड्रग फ्री हो हमारा भारत थीम को लेकर समाज में जागरूकता लाने की दिशा में काम कर रही है और अपनी टीम के साथ पोस्टर प्रदर्शनी साइकिल जागरूकता यात्राएं, स्कूल कॉलेज खेल अकादमी में युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में बता रही है। इसके साथ ही स्वीटी द्वारा लगभग पिछले चार साल से नशे के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर स्वीटी मलिक को सम्मानित किया।

महर्षि दुर्वासा की तपस्थली आध्यात्मिकता का केंद्र बिंदु : कादियान

झज्जर। शनिचरी अमावस्या पर महर्षि दुर्वासा ऋषि तीर्थ स्थल पर मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम में गन्नौर से विधायक देवेंद्र कादियान ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने महर्षि दुर्वासा के नव जीर्णोद्धार मंदिर की आधारशिला रखते हुए कहा कि उनकी तपस्थली आध्यात्मिकता का केंद्र बिंदु है। उन्होंने कहा कि समस्त ग्रामीणों के सहयोग से महर्षि दुर्वासा तीर्थ का नवीनीकरण किया है जो आपसी भाईचारे, एकता व सहयोग की मिसाल है। उन्होंने तपस्थली को अधिक आकर्षक, दार्शनिक एवं रमणीक स्थल बनाने में सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने निजी कोष से ग्यारह लाख रुपये की अनुदान राशि भी आयोजक समिति को भेंट करने की घोषणा की। कार्यक्रम में बेरी नपा अध्यक्ष देवेंद्र उर्फ बिल्लू पहलवान, प्रधान राजसिंह, महर्षि दुर्वासा समिति प्रधान ढीला पहलवान, ब्लाक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि प्रशांत कादियान व ग्राम सरपंचों ने मुख्यातिथि का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। मास्टर सूरजभान कादियान ने बताया कि यह तपस्थली भारत के 68 पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। इसका उल्लेख रामायण एवं महाभारत कालीन ग्रंथों में भी मिलता है। शकुंतला की अंगुली की अंगूठी से जुड़ा हुआ रोचक प्रसंग भी दुखलधन के पवित्र सरोवर से जुड़ा हुआ है। महर्षि दुर्वासा ऋषि रोजाना कुल देवी माता भीमेश्वर के मंदिर पूजा अर्चना करने जाते थे। इस मौके पर पूर्व डीएसपी रामफल, जोगेंद्र सिंह जोगी, शिक्षा सुधार समिति के प्रधान सुखचंद कादियान, सन्नी कादियान, सुभाष, एडवोकेट जगशेर सिंह, एडवोकेट सुधीर कादियान, नकुल कादियान, हवासिंह, अमित सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। लोगों को संबोधित करते हुए विधायक देवेंद्र कादियान। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। आरईडी विद्यालय में शनिवार को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों भाग लिया। अलग-अलग थीम पर आधारित प्रतियोगिता में नर्सरी के विद्यार्थी जहां सब्जियों व फलों के रूपों में नजर आए वहीं एलकेजी के बच्चों ने ट्रैफिक सिग्नल, जादूगर, यूकेजी के बच्चे टूथपेस्ट, ब्रश, साबुन, पेड़, पौधे तथा पहली कक्षा के बच्चे फौजी, डॉक्टर, अध्यापक व इंजीनियर आदि की भूमिका में दिखाई दिए। इसके अलावा दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने महापुरुषों की थीम पर क्रांतिकारी रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस आदि का रूप धारण किया। प्राचार्या अनिता सिवाच, अकेडमिक इंचार्ज गीता गाबा, कोर्डिनेटर सुमन आदि ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन किया। दूसरी ओर छुछकवास शाखा में अंतर सदनीय ऑल क्लब प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों ने भाषण, डिबेट, क्विज, रोल प्ले, चार्ट मेकिंग, रंगोली, नृत्य, गायन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्राचार्या सरिता मल्हान ने बताया कि ओवरऑल परिणामों में टैगोर सदन प्रथम, सुभाष सदन द्वितीय व गांधी सदन तृतीय रहा। सभी विजेताओं को शाखा प्रमुख सुनील कादियान द्वारा पुरस्कृत किया गया।

विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। आरपीएस पब्लिक स्कूल में खंड स्तरीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कोसली ब्लॉक के विभिन्न 11 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करने के उद्देश्य से कराई गई इस प्रतियोगिता की शुरूआत प्राचार्या अंजू यादव ने दीप प्रज्वलन के साथ की। विद्यार्थियों ने स्मार्ट खेती, डिजिटल इंडिया, स्वच्छता, हरित प्रौद्योगिकी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर आकर्षक प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता परिणामों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रत्नथल की टीम प्रथम, राजकीय मिडिल स्कूल खेड़ी की टीम द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय झाल व भाकली की टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही।

झज्जर। प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

झज्जर। बर्थ-डे सेलिब्रेशन मनाते हुए विद्यार्थी।

विद्यार्थियों ने मनाया बर्थ-डे सेलिब्रेशन

झज्जर। संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल पाटौदा में शनिवार को बर्थ डे सेलिब्रेशन मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थी रंग-बिरंगे कपड़ों में विद्यालय पहुंचे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हास्यप्रद कविताएं और नृत्य जैसी गतिविधियों का आनंद लिया वहीं केक काटकर और टॉफी वितरित करते हुए अपने सहपाठियों व शिक्षकों का मुंह मीठा कराया। प्राचार्या श्वेता कौशिक ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाना है। उन्होंने विद्यार्थियों को फास्ट फूड से दूरी बनाने व पौष्टिक आहर अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।

न्यूज डायरी

कॉलेज के छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

बहादुरगढ़। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित छात्र, अतिथि व स्टॉफ सदस्य।

बहादुरगढ़। राजकीय महाविद्यालय बहादुरगढ़ में एनएसएस इकाई-1 व 2 द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक सकारात्मक, आध्यात्मिक तथा स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना था। प्राचार्य दलबीर सिंह ने छात्रों से कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक एवं मानसिक समस्या है। नशे से युवाओं को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। उप-प्राचार्या सुमन हुड्डा ने कहा कि युवा पीढ़ी को सकारात्मक सोच, स्व-अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर समाज में एक नई दिशा देनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बीके रेनू बहन ने नशा मुक्ति के आध्यात्मिक एवं मानसिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। राजयोग मेडिटेशन, आत्मिक जागृति और सकारात्मक चिंतन के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन से नकारात्मक आदतों को दूर कर सकता है।

नशे और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते विद्यार्थियों को नशामुक्त रहने इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। पुलिस शैक्षणिक संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव और यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर रही है। इसी क्रम में निरीक्षक सतीश कुमार ने गांव लाडपुर के राजकीय उच्च विद्यालय में की शपथ दिलाई। नशा करने से आर्थिक और शारीरिक हानि के साथ-साथ रिश्तों में दरार जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए किसी भी प्रकार का नशा न करें और न ही ऐसी संगति में रहें, जो इस ओर ले जाए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। निरीक्षक सतीश कुमार ने तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और अन्य मादक पदार्थों से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया।

ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव बताए

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को जागरूक करते एसआई सत्यप्रकाश। फोटो :हरिभूमि

बहादुरगढ़। झज्जर पुलिस की नशा मुक्ति अभियान टीम लगातार गांव-गांव जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करा रही है। इसी कड़ी में उपनिरीक्षक सत्य प्रकाश के नेतृत्व में टीम ने गांव खेड़ी व जसोर में ग्रामीणों के साथ बैठक कर नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीणों ने समाज से नशा समाप्त करने के लिए पुलिस को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उपनिरीक्षक सत्य प्रकाश ने कहा कि नशा परिवार और समाज को खोखला कर रहा है। यह गंभीर बीमारियों का कारण बनता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी मिलकर नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनें और आने वाली पीढ़ी को इस बुरी आदत से बचाने में सहयोग करें।

नशा करके वाहन चलाने वालों पर पुलिस सख्त 258 चालकों के किए चालान

डॉ. राजश्री सिंह, पुलिस आयुक्त, झज्जर

झज्जर। जिला पुलिस द्वारा नशा करके वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत पिछले पांच दिनों में नशा करके वाहन चलाने वाले 258 वाहन चालकों के चालान भी किए गए है। पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाना अपनी व अपने परिवार के अलावा सामने वाले की जिंदगी को खतरे में डालना है। क्योंकि शराब पीने के बाद व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है और वह एकदम से कोई भी निर्णय लेने में असमर्थ हो जाता है। जिससे दुर्घटना होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए हमें कभी भी नशे में वाहन नहीं चलना चाहिए और यातायात के नियमों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैंटर की टक्कर से ट्रक का जैक बदल रहा युवक गंभीर

बहादुरगढ़। केएमपी एक्सप्रेस-वे पर एक और हादसा हो गया। यहां बुपनिया के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक को पीछे से कैंटर ने टक्कर मार दी। इस दौरान टायर बदलने के लिए जैक लगा रहा युवक चपेट में आ गया। युवक पीजीआई रोहतक में भर्ती है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसा शुक्रवार को हुआ है। मामले की जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश के रामेश्वर का कहना है कि वह पानीपत से बुहरानपुर एमपी गाड़ी लेकर जा रहा था। बुपनिया के पास गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। मेरे साथ भांजा दीपू भी गाड़ी में था। हमने गाड़ी सड़क किनारे खड़ी की। जैसे ही दीपू जैक लगाने के लिए नीचे से उतरा तो पीछे से एक कैंटर ने हमारी गाड़ी में टक्कर मार दी। दीपू भी चपेट में आ गया। उसे गंभीर चोट आई। आनन फानन में उसे बहादुरगढ़ के निजी अस्पताल में लेकर गए। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। उधर, सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस पीजीआई रोहतक गई, दीपू बयान देने की हालत में नहीं था। इसलिए रामेश्वर की शिकायत पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएवी में रिटायरमेंट कार्यक्रम

बहादुरगढ़। जयकिशन की सेवाओं को सराहते आर्य सत्यपाल वत्स।

बहादुरगढ़। शहर के डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में सहायक जयकिशन की सेवानिवृत्ति पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। शालू शर्मा और प्रेम ने मंच संचालन किया। विजय शैलानी व धारणा ने अपने गीत के माध्यम से उन्हें शुभकामनाएं दी। ब्रह्मजीत छिकारा, जयपाल दहिया, आर्य सत्यपाल वत्स, संतलाल मलिक, बिजेंद्र खोखर, सुखरमपाल व प्रिंसिपल राजदीप कुलश्रेष्ठ ने जयकिशन की सेवाओं और व्यक्तित्व को सराहा।

बरसात में भी परनाला में बदले खंभे

बहादुरगढ़। गांव परनाला में काम करते बिजली कर्मियों के साथ अशोक राठी।

बहादुरगढ़। गांव परनाला में बिजली निगम ने बरसात के बीच जर्जर तथा लोहे के खंभों को बदलने का काम जारी रखा। इसके साथ ही ट्रांसफार्मर पर भी बरसात के बावजूद काम जारी देख ग्रामीणों ने भी उनकी प्रशंसा की। गांव परनाला-हसनपुर के सरपंच प्रतिनिधि अशोक राठी ने उनका मनोबल बढ़ाया। साथ ही कहा कि गांव व पंचायत की तरफ से उन्हें उचित सम्मान दिया जाएगा। इस अवसर पर सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी, मेम्बर जोगी, राजेंद्र व हसीन आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता को लेकर चलेगा विशेष अभियान

झज्जर। शनिवार को सीएम नायब सिंह सैनी ने वीसी के माध्यम से जिला प्रशासन के साथ नागरिकों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला प्रशासन की ओर से डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने मुख्यमंत्री के समक्ष जानकारी रखी। मुख्यमंत्री की वीसी उपरांत डीसी ने अधिकारियों को सरकार की प्राथमिकताओं को तय समय सीमा में अमलीजामा पहनाने के लिए निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि सरकार ने जिला स्तर पर नागरिक अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के लिए आगामी 17 सितंबर की समय सीमा तय की है। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में जो भी सुधार की जरूरत है वह कार्य 15 सितंबर तक हर हाल में पूरा होना चाहिए।

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में हुआ तरंगोत्सव का आयोजन

संध्या सितारा ने लगाई श्री कृष्ण के भजनों की झड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में आयोजित वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन मंदिर में रंगोत्सव का आयोजन हुआ। भजन गायिका संध्या सितारा ने एक के बाद एक भगवान कृष्ण के भजनों की वर्षा की। वहीं अपनी कथा का आगे बढ़ते हुए आश्रम अमरधाम हरि मंदिर के अधिष्ठाता स्वामी उमानंद ने कहा कि किसी भी पवित्र वस्तु को रखने के लिए शुद्धता की आवश्यकता होती है। जहां गंदगी हो, पूजा की वस्तुओं को नहीं रखा जा सकता है। ऐसे ही हृदय में भगवान नाम को रखने के लिए मन की कलुषित भावनाओं की सफाई जरूरी है। शेरनी का दूध या तो शेर के बच्चे के पेट में अथवा फिर सोने के पात्र में ही ठहरता है। ऐसे ही भगवान का पावन नाम श्रद्धा और विश्वास के विशेष पात्र में ही ठहरता है। साबुन वो है जो मैल उतार सके। ऐसे ही यदि सत्संग में जाने से, कथा सुनने से, भजनों में झूमने से मन की मैल ना उतरी तो विचार करना चाहिए की हाथ में साबुन है या कुछ और। उन्होंने कहा कि विनम्रता और सादगी ही भक्तों की पहचान है। वीआईपी कल्चर जहां है वहां भक्ति नहीं है।

दूसरों को मान देना ही भक्तों का पहला लक्षण है। कार्यक्रम में नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज के आधुनिक समय में इस प्रकार के धार्मिक आयोजन नई पीढ़ियों को प्रेरणा देते है।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी। फोटो :हरिभूमि

बाबा गोसाईं मंदिर में रागिनी कंपीटिशन व भंडारा कल

झज्जर। क्षेत्र के गांव ग्वालिसन स्थित बाबा गोसाईं मंदिर में सोमवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। वार्षिकोत्सव में आयोजित भंडारे में जहां सैंकड़ों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे वहीं रागिनी कंपीटिशन में गायक कलाकार नरेंद्र दांगी, सुरेंद्र गिगनाऊ व दीपक चिड़िया अपनी रागिनियों से समां बांधेंगे।

महर्षि वाल्मीकि चौक पर वितरित किया प्रसाद

झज्जर। शनिवार को शहर के सीताराम गेट क्षेत्र स्थित महर्षि वाल्मीकि चौक पर देसी घी का भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सब्जी, पूरी व खीर का प्रसाद ग्रहण किया।

NOTICE

I, Smt. Chander Kala M/O No. 9113297N Ex. Hav. Clerk (SD) Manjeet, R/O VPO-Dulhera, Tehsil Bahadurgarh, Distt. Jhajjar (Haryana), PIN-124507 declare that I have changed my name from Chander Kalan and DOB 01/01/1962 to Chander Kala and DOB 01/01/1959 vide affidavit.

खबर संक्षेप

स्टॉक पर खड़े ट्रक के टायर चोरी, केस दर्ज

बहादुरगढ़। नजफगढ़ रोड पर स्थित एक रोड़ी क्रशर स्टॉक पर खड़े ट्रक के दो टायर चोरों ने निकाल लिए। इस संबंध में ट्रक मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। दिचाऊ कलां के निवासी राहुल का कहना है कि हमारे परिचित का नजफगढ़ रोड पर स्टॉक है। हमने अपना ट्रक वहां खड़ा किया था। हाल ही में पासिंग के लिए जब ट्रक ले जाने के लिए वहां आए तो दो नए टायर नहीं थे। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, सेक्टर 9 चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही हैं।

भाविप की समूहगान प्रतियोगिता आज

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा द्वारा शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन रविवार 24 अगस्त को नाहरा नाहरी रोड स्थित श्री रामा भारती पब्लिक स्कूल में होगा। इसमें नप चेयरपर्सन सरोज राठी मुख्य अतिथि और बहादुरगढ़ शिक्षा सभा के अध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप के प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी करेंगे।

लाइनपार में फंदे पर लटका मिला शव

बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित एक मकान में अधेड़ उम्र के व्यक्ति का शव फंदे पर लटका हुआ। मानसिक परेशानी से तंग आकर व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान करीब 50 वर्षीय वीरेंद्र के रूप में हुई है। लाइनपार के विकास नगर का रहने वाला था और ऑटो चलाता था। शुक्रवार की दोपहर को वह फंदे पर लटका देखा गया। परिजनों की नजर गई तो संभाला लेकिन देर हो चुकी थी। सूचना पाकर लाइनपार थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। आत्महत्या करने की कोई ठोस वजह फिलहाल सामने नहीं आई है। मानसिक तनाव से यह कदम उठाए जाने की चर्चा है। परिजनों के बयान पर लाइनपार पुलिस ने घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की है।

बूस्टिंग स्टेशन हो रहा बदहाल: जसबीर सैनी

बहादुरगढ़। भाजपा नेता जसबीर सैनी लगातार स्थानीय समस्याओं को उजागर करने में जुटे हैं। शुक्रवार को उन्होंने नया गांव के बूस्टिंग स्टेशन का दौरा किया। उनके अनुसार रखरखाव के अभाव में बूस्टिंग स्टेशन का हाल खराब हो रहा है। यहां झाड़ियां उगी हुई है और दीवार भी टूटी हुई है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के कार्यालय में हुई बैठक

जगह-जगह गहरे गड्ढे और टूटी सड़कें और जलभराव से लगातार परेशानी

प्रदेश सरकार शीघ्र ही इन आंतरिक मार्गों के निर्माण और मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वार्ड-21 की अमृत कॉलोनी और हरिसिंह कॉलोनी में बहादुरगढ़ कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज (कोबी) के कार्यालय में बैठक हुई। इसमें कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, उपाध्यक्ष विपिन बजाज, महासचिव प्रदीप कौल, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ट, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार मित्तल, पुरुषोत्तम गोयल, सुनील गर्ग व गुरप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रवीण गर्ग ने कहा कि प्रदेश और देश की आर्थिक प्रगति में उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगों तक वास्तविक पहुंच के लिए हाईवे पर्याप्त नहीं हैं। आंतरिक और कनेक्टिंग सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। जगह-जगह गहरे गड्ढे, टूटी सड़कें और जलभराव से लगातार परेशानी बनी हुई है। परिवहन लागत बढ़ती है, समय की बर्बादी होती है और उत्पादन प्रभावित होता है। सरकार शीघ्र ही इन आंतरिक मार्गों के निर्माण और मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दे।

गणपति धाम में हुई बैठक में चर्चा करते कोबी पदाधिकारी

देव नगर की गली नंबर-1 में भरा सीवर का पानी

बहादुरगढ़। गली नंबर-1 में भरा सीवर का पानी दिखाते देव नगर निवासी व पार्षद। *फोटो : हरिभूमि*

बहादुरगढ़। आईटीआई के सामने देव नगर की गली नंबर-1 में पिछले दो साल से सीवर ओवरफ्लो की समस्या गहराई हुई है। सीवर का गंदा पानी गली में जमा है। यहां करीब 2 साल से मोटर लगाकर इस पानी को बाहर फैंका जा रहा था। लेकिन अब कुछ लोगों के विरोध के कारण यह मोटर हटा दी गई। जिस कारण गली में गंदा पानी भर गया और लोगों को आवागमन में परेशानी आ रही है। झज्जर रोड स्थित देव नगर की गली नंबर-1 में सीवर ब्लॉकेज के कारण नारकीय हालात बने हुए हैं। बारिश के मौसम में तो समस्या ज्यादा गहरा जाती है। पार्षद बलराम दलाल ने बताया कि पिछले दो साल से मोटर द्वारा सीवर का पानी निकाला जा रहा है। गंदा पानी झज्जर रोड पर डाला जा रहा था। झज्जर रोड से गुजर रहे नाले में भी ओवरफ्लो हैं। अब मोटर बंद होने के कारण गली में दोबारा सीवर का पानी भर रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए अनेक बार अधिकारियों से मुलाकात की गई है। लेकिन अधिकारियों ने आश्वासन देने के अलावा कुछ नहीं किया। जिस कारण स्थानीय निवासी आक्रोशित हैं। यदि रविवार तक समाधान नहीं हुआ तो सोमवार को स्थानीय निवासी सड़कों पर उतरकर विरोध व्यक्त करेंगे।

बरसात में जलभराव व कीचड़ से परेशानी

बहादुरगढ़। नगर में शनिवार को रुक-रुक कर हो रही बरसात के चलते विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। जिससे आमजन को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई मार्गों पर कीचड़ से गुजरना भी आमजन के लिए परेशानी का कारण रहा। शनिवार की सुबह से ही आसमान पर काले बादल छा जाने के बाद बारिश शुरू हो गई। यह क्रम दिनभर कुछ कुछ देर में जारी रहा। शाम 5 बजे तक करीब 10 मिलीमीटर बरसात रिकॉर्ड हुई। आमजन को बरसात के चलते राहत मिली। लेकिन दिनभर रुक-रुक कर हो रही बारिश के चलते जलभराव व मार्गों पर कीचड़ की स्थिति बन गई है। नालियों की सफाई समय पर नहीं होने और जलनिकासी व्यवस्था की खराब हालत के चलते कई प्रमुख मार्गों पर पानी भर गया। राहगीरों के साथ-साथ दुपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को भी फिसलन और जलभराव के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी बिजेंद्र, अनिल, दीपक ने बताया कि हर साल बरसात में यही हाल होता है, लेकिन नगर प्रशासन की ओर से कोई स्थाई समाधान नहीं किया जाता। कीचड़ और गंदगी से बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ जाता है। कई जगहों पर गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। नगरवासी प्रशासन से अपील कर रहे हैं कि समय रहते उचित कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी परेशानियों से बचा जा सके।

- आमजन के लिए बनी मुसीबत

संपर्क से लेकर संस्कार पर जोर देने से आएगा बदलाव

झज्जर। बैठक के दौरान उपस्थित जिला संघ चालक महेंद्र बंसल एवं अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

झज्जर। भारत विकास परिषद झज्जर शाखा की बैठक का आयोजन शनिवार को स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में किया गया। जिसमें शाखा के स्तर पर संचालित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्य योजना पर चर्चा हुई। मीटिंग में मुख्य तौर पर शाखा के प्रांतीय महासचिव दीपक जिंदल, राम चरण सिंगला प्रांत संगठन सचिव, जिला संघ चालक महेंद्र बंसल, नप अध्यक्ष जिले सिंह सैनी, झंग बिरादरी के प्रधान कृष्ण लाल शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में शाखा से जुड़े दायित्वों में पर्यावरण की जिम्मेवारी आडिटर धर्मेंद्र बसवाल, सेवा प्रमुख विनीत पोपली, मातृ शक्ति से जुड़ी गतिविधियों के लिए वर्षा यादव, संस्कार के लिए रघुबीर सैनी, संपर्क के लिए संजय सहगल, सचिव राकेश कुमार और खजांची के लिए एडवोकेट प्रदीप राज्याण को जिम्मेवारी सौंपी गईं।

इसके अतिरिक्त मुख्य रूप से शाखा प्रमुख अमित बलवंत पोपली, डॉक्टर नंद किशोर सरदाना, केशव सिंघल, रजिस्ट्रार राजेश यादव, एडवोकेट मुकेश नागपाल, पार्षद प्रतिनिधि नवीन कुमार छाबड़ा, पत्रकार संगठन के प्रधान तपस्वी शर्मा, नरेश खोहाल, वेद प्रिय आर्य, एडवोकेट पंकज कुमार शर्मा, जय शंकर वशिष्ठ आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

इस दौरान जिला संघ चालक महेंद्र बंसल ने युवाओं को परिषद से जोड़ने की बात पर बल देते हुए कहा कि देश का युवा जब इस प्रकार के विचार का सारथी बनेगा तो निश्चय यह परिलक्षित होता है कि वह समाज के नव निर्माण के लिए सजग हो चला है। मीटिंग के दौरान प्रांतीय महासचिव दीपक जिंदल ने कहा कि आज के दौर में पाश्चात्य जीवन शैली का बढ़ता प्रभाव युवाओं में तेजी से देखने को मिल रहा है। चिंता की बात है कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में युवा अपनी जड़ों और भारतीय संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए परिषद की सभी शाखाएं संस्कार प्रकल्प को प्राथमिकता देंगी।

पानी सप्लाई की मोटर चलाते समय करंट की चपेट में आया कर्मचारी

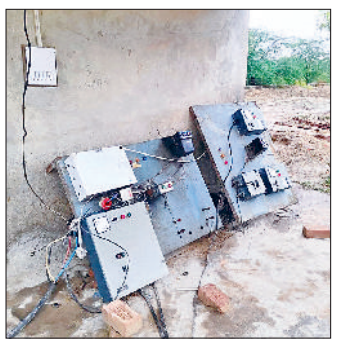

झज्जर। करंट लगने से आई चोट दिखाते हुए कर्मचारी संजय व जमीन पर रखा बिजली का बोर्ड जहां तारों पर लगे हैं कट। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

: क्षेत्र के गांव सिवाना स्थित जलघर में कार्य करते समय एक कर्मचारी बिजली करंट की चपेट में आ गया। गणीमत यह रही कि जब कर्मचारी करंट लगने से बेसुध होकर गिरा तो आवाज सुनकर ग्रामीण ने मौके पर पहुंच कर मेन लाइन बंद की और उसे उपचार के लिए पहुंचाया। जानकारी के अनुसार वाटर सप्लाई कर्मचारी संजय जब ड्यूटी के दौरान पानी सप्लाई वाली मोटर चलाने लगा तो अचानक वह करंट की चपेट में आ गया। उसने बताया कि बिजली की तारों में जगह-जगह कट होने के कारण उसे करंट लगा है। वह कार्य करते समय अकेला था। करंट लगने के बाद वह बेसुध होकर जमीन पर जा गिरा। इस दौरान उसके हाथ में भी चोट आई। ग्रामीणों के अनुसार पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। गांव में लंबे समय से बिजली तारों की हालत खराब है, कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समाधान नहीं किया गया। घटना के बाद ग्रामीणों में विभाग के प्रति रोष है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही संबंधित विभाग द्वारा उनकी इस समस्या का समाधान नहीं किया तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

करीब चार घंटे बाद मिला बच्चा, परिजनों की अटकी रही सांसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

छात्र सावन।

क्षेत्र के गांव रईया में शनिवार दोपहर बाद उस समय सनसनी फैल गई, जब पहली कक्षा का बच्चा छुट्टी होने के बाद अपने घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने अपने स्तर पर इसकी तलाश की, लेकिन बच्चे का कोई पता नहीं चल सका। आनन फानन में सूचना पुलिस को दी गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए बच्चे को ढूंढने के लिए कई टीमों का गठन किया गया। ग्रामीण भी अपने स्तर पर बच्चे को ढूंढने में जुट गए। करीब चार घंटे बाद बच्चा मिलने पर राहत की सांस ली। जानकारी अनुसार सावन नामक लड़का राजकीय स्कूल में पहली कक्षा का छात्र है। स्कूल में सावन की स्कूल में ही आपसी बच्चों के साथ कहासुनी हो गई। इसके बाद सावन अपने घर के पीछे एक प्लाट में छुपकर बैठ गया। छुट्टी होने के बाद सावन के नहीं पहुंचने पर परिजनों के होश उड़ गए और सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम द्वारा बच्चे को खोजने का कार्य शुरू किया और बाद में बच्चा सकुशल बरामद हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी राजेश खन्ना ने बताया कि बच्चा सकुशल मिल गया है। स्कूल में क्या मामला हुआ, जिसके कारण बच्चा प्लॉट में छुप कर बैठा। सोमवार को स्कूल का निरीक्षण करते हुए जांच की जाएगी।

झज्जर। सूचना मिलने पर मौके पर एकत्रित हुए ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

मामले की जानकारी लेते हुए पुलिसकर्मी।

बालौर के राजकीय विद्यालय में कराया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। बालौर स्कूल में बच्चों को योगाभ्यास कराते योगाचार्य जगदीश सहवाग। *फोटो : हरिभूमि*

बहादुरगढ़। गांव बालौर के राजकीय उच्च विद्यालय में योगाचार्य जगदीश सहवाग द्वारा निशुल्क योग प्राणायाम शिविर का आयोजन किया। कैंप की अध्यक्षता मुख्य अध्यापिका अनिता कौशिक द्वारा की गई। शिविर में बच्चों को देशभक्ति के लिए प्रेरित किया गया। योगाचार्य जगदीश कुमार ने बताया कि योग एक विज्ञान है। प्रतिदिन योग करने से आरोग्यता, अच्छा स्वास्थ्य, तेज दिमाग, मानसिक शांति और एकाग्रता की प्राप्ति होती है। उनके अनुसार युवा-समर्थ-विकसित-स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करने के लिए युवा पीढ़ी को तैयार करना है। युवा शक्ति के साथ मिलकर समाज से पाप, बुराई, अज्ञानता को समाप्त करके धर्म शांति और प्रगति को स्थापित करना है। उनका प्रयास है कि देश का प्रत्येक युवा माता-पिता का सेवक, गुरुओं का आज्ञाकारी, देशभक्त, धर्म व संस्कृति का रक्षक और प्रकृति का संरक्षक बने। सभी विद्यार्थी चरित्रवान, बलवान एवं आत्मनिर्भर बनें। धूम्रपान-शराब व मांसाहार से बचें। नशों से दूर रहें। हम सभी के मन में देशभक्ति का भाव सर्वोपरि होना चाहिए। देश, धर्म, संस्कृति व संस्कारों से बढ़कर कुछ भी नहीं है। कार्यक्रम में सनिता, सरोज, सुषमा व प्रतिभा आदि उपस्थित रहे।

खिलाड़ी अर्जुन ने स्वर्ण पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

16 अगस्त से 22 अगस्त तक सीबीएसई द्वारा एयर रायफल व एयर पिस्टल निशानेबाजी खेलों का आयोजन हांसी में हिन्दू शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी में करवाया गया। जिसमें ब्रिगेडियर रणसिंह स्कूल दुजाना, कक्षा 10वी के छात्र बेरी निवासी खिलाड़ी अर्जुन ने यू-17 वर्ष वर्ग में भाग लेते हुए 399/400 अंक हासिल कर प्रथम स्थान पर रहते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया व अपने शहर बेरी व प्रदेश का नाम रोशन किया। अभी अर्जुन CBSE नेशनल खेलों में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा ।अर्जुन अपने खेल की कामयाबी का श्रेय अपने कोच रमेश कादयान, एन. साईनी देवी, राकेश कादयान व अपने माता पिता को दिया। 6 जुलाई से 8 जुलाई तक एम. आर. हसनपुर झज्जर में आयोजित जिला खेलों में भी अर्जुन ने 200/200 अंक के साथ प्रथम स्थान हासिल किया था। इससे पहले भी अर्जुन कई अन्य प्रतियोगिताओं में बेरी का नाम प्रदेश में रोशन कर चुका है।

अपने खेल के प्रति समर्पित अर्जुन हर रोज बेरी से सोनीपत 70 किमी का सफर तय करके अभ्यास करने कादयान शूटिंग स्पोर्ट्स अकैडमी सोनीपत में जाता है। अर्जुन का सपना है कि वह ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर विश्वभर में अपने माता पिता व बेरी का नाम रोशन करना चाहता है। स्कूल में पहुंचने पर स्कूल मुखिया व अध्यापको द्वारा अर्जुन का जोरदार स्वागत किया व आशीर्वाद देते हुए उसके उज्वल भविष्य की कामना की।

मकान में वारदात करने वाले चोर से गहनें बरामद

बहादुरगढ़। लाइनपार थाना पुलिस ने मकान में चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चुराए गए आभूषण भी बरामद किए गए हैं। आरोपी को पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। लाइनपार थाना प्रभारी परमजीत सिंह के अनुसार, लाइनपार निवासी सुभाष ने शिकायत दी थी कि वह 9 अगस्त को रिश्तेदारी में गए हुए थे। दो दिन बाद घर लौटने पर उन्होंने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था और अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण व नगदी गायब थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए थाना लाइनपार पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया। जांच के दौरान एएसआई सुभाष कुमार की टीम ने आरोपी हिम्मत निवासी पटेल नगर को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर एक चांदी की अंगूठी और पाजेब बरामद की है। मामले में गहन पूछताछ के लिए आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लिया गया है।

सतवीर हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया
- मामले में पहले छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं

बहादुरगढ़। परनाला में हुए सतवीर हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए शख्स पर हत्या के षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप है। उसे पूछताछ के लिए एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। लाइनपार थाना प्रभारी परमजीत सिंह के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि परनाला चौपाल के पास झगड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो परचून की दुकान में सतवीर खून से लथपथ अवस्था में मिला था। मृतक के भाई की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले की जांच के दौरान पुलिस ने साहिल निवासी करौंथा जिला रोहतक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में इससे पहले छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

झारखंड में आयोजित नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में छाए

जयवीर अखाड़े के मोहित-रितिक ने नेशनल में जीते मेडल

- अखाड़े में लौटने पर विजेताओं का भव्य अभिनंदन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

झारखंड में आयोजित नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में जयवीर अखाड़े के पहलवान छाए रहे। शानदार प्रदर्शन करते हुए अखाड़े के मोहित और रितिक पहलवान ने अपने भारवर्ग में मेडल जीते हैं। इनकी जीत पर परिजनों व कुश्ती प्रेमियों ने खुशी जताई है। दरअसल, भारतीय कुश्ती संघ की ओर से रांची में 21 से 24 अगस्त तक अंडर 23 नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। देशभर के नामी, प्रतिभाशाली पहलवान इसमें भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में शुक्रवार को फ्री स्टाइल वर्ग मुकाबले हुए। इन मुकाबलों में बुपनिया स्थित जयवीर अखाड़े के दो पहलवानों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फ्री स्टाइल 65 केजी वर्ग में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए मोहित उर्फ मिरिंडा पहलवान ने गोल्ड मेडल जीता। वहीं, 79 केजी में रितिक पहलवान ने ब्रांज मेडल पर कब्जा जमाया। दोनों पहलवानों की जीत से अखाड़े और परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई।

बहादुरगढ़। साथियों संग पदक विजेता मोहित व रितिक पहलवान।

मोहित सेना में हवलदार

मोहित गांव रुड़ियावास का रहने वाला है। सेना में हवलदार है और बीते कई वर्षों से कोच जयवीर के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहा है। वह राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मेडल जीत चुका है। अंडर-20 वर्ल्ड और अंडर 23 एशिया चैंपियन बन चुका है। उसका लक्ष्य देश के लिए ओलंपिक खेलना है। वहीं, रितिक गांव कुतुबगढ़ का रहने वाला है। काफी होनहार पहलवान है। कोच जयवीर ने कहा कि दोनों बेहद अच्छे पहलवान है। लगातार जीत दर्ज कर कुश्ती को आगे बढ़ा रहे हैं। यकीनन आने वाले समय में बड़े स्तर पर मेडल जीतेंगे। अखाड़े में लौटने पर इनका अभिनंदन किया जाएगा।

आत्मरक्षा के गुर सिखाए

बहादुरगढ़। शहर में स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिला पुलिस की प्रशिक्षित टीम ने लाइव डेमो देकर छात्राओं को सुरक्षा संबंधी टिप्स बताए। मुख्य सिपाही मीना और सिपाही सोनू ने छात्राओं को छेड़छाड़ या हमले की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के आसान व कारगर तरीके समझाए। पुलिस कर्मियों ने बताया कि महिला विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए छात्राओं का जागरूक व आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। उन्होंने डायल 112 और 1091 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता ली जा सकती है। कामकाजी महिलाएं ट्रिप मॉनिटरिंग सेवा का भी लाभ उठा सकती हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

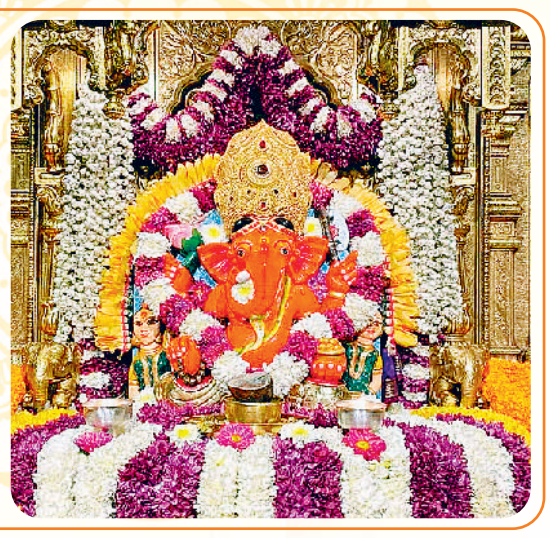

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

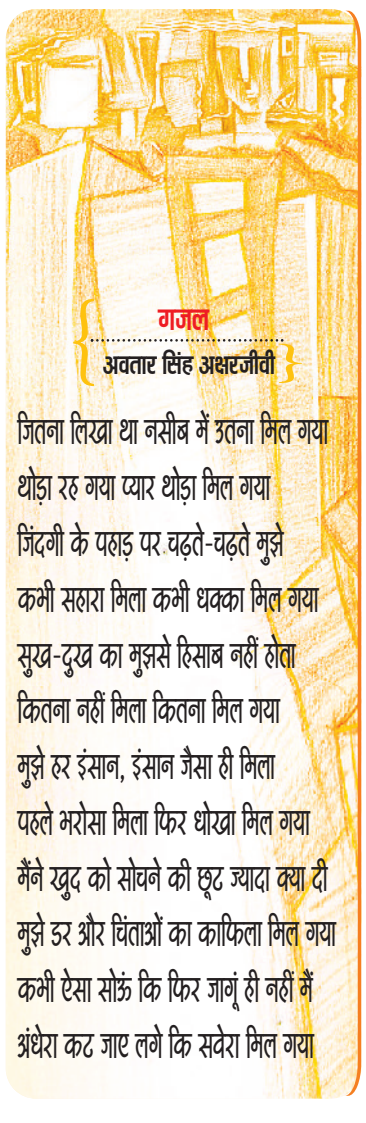

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

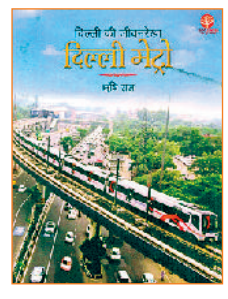

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

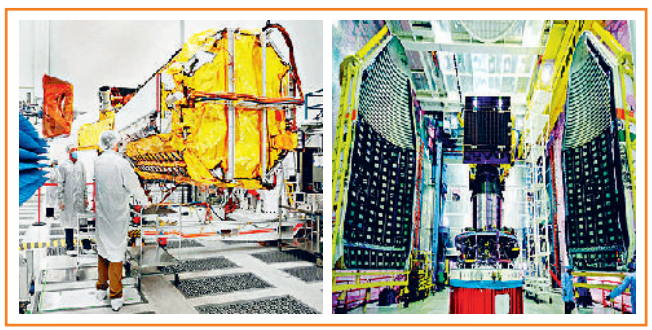

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

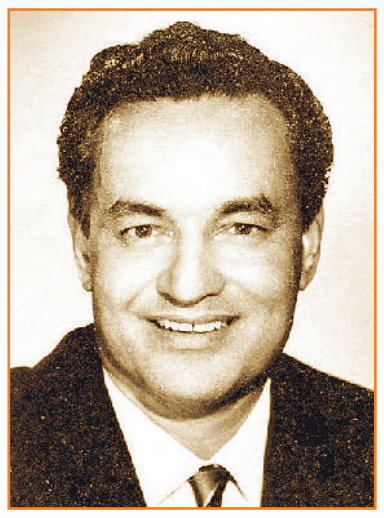

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *